चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 31 जुलाई 2026, अंक –325.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

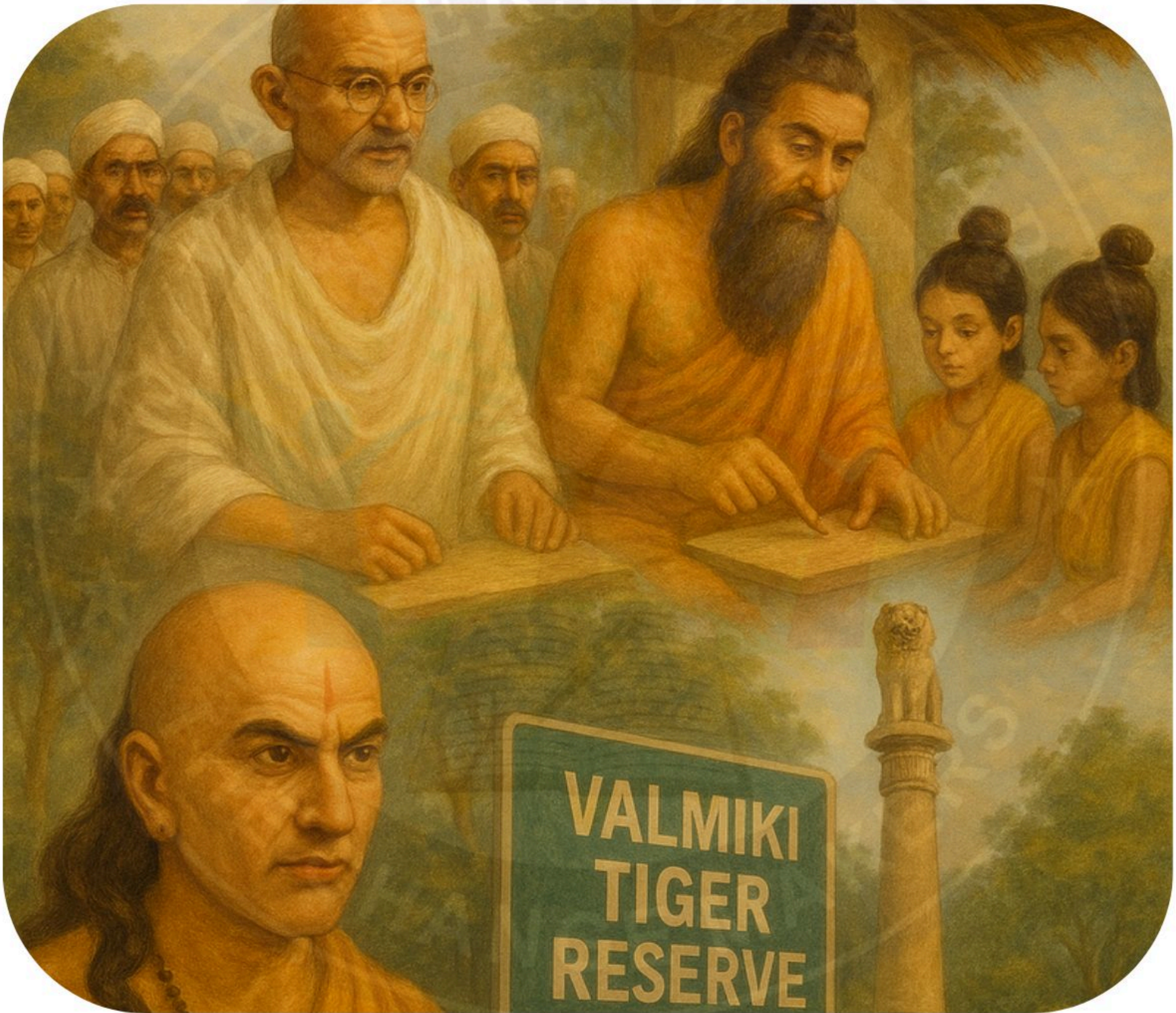

"ज्ञान का अंतिम लक्ष्य चरित्र निर्माण होना चाहिए।"
— महात्मा गांधी

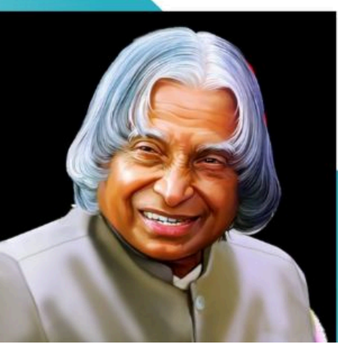

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

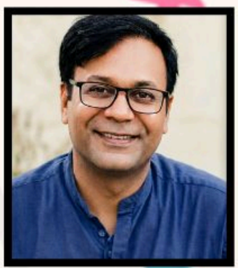

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. हंगरी की राजधानी क्या है?
उत्तर: बुडापेस्ट
प्रश्न 2. भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक कब हुई थी?
उत्तर: 9 दिसम्बर 1946
प्रश्न 3. 'रासलीला' किस राज्य की प्रसिद्ध सांस्कृतिक परंपरा है?
उत्तर: उत्तर प्रदेश
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या के अंतिम तीन अंक 125 हों, तो वह किस संख्या से निश्चित रूप से विभाज्य होगी?
उत्तर: 125
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'जलेश्वरनाथ मंदिर' किस जिले में है?
उत्तर: मधुबनी
प्रश्न 6. कच्छ का वन्य गधा अभयारण्य (Indian Wild Ass Sanctuary) किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 7. विद्युत मोटर (Electric Motor) का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: माइकल फैराडे
प्रश्न 8. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में भारत को 'राज्यों का संघ (Union of States)' कहा गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 1
प्रश्न 9. 'जो समय का पालन करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: समयनिष्ठ
प्रश्न 10. मनुष्य के शरीर में रक्त को शुद्ध करने का प्रमुख कार्य कौन-सा अंग करता है?
उत्तर: वृक्क (गुर्दा)

संकलन:-
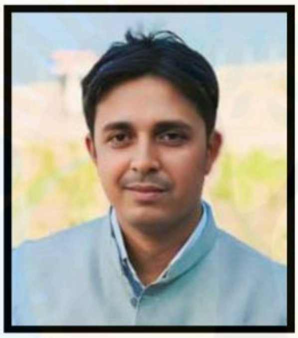
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Heart – (हार्ट) – हृदय
Brain – (ब्रेन) – मस्तिष्क
Lung – (लंग) – फेफड़ा
Stomach – (स्टमक) – पेट / आमाशय
Liver – (लिवर) – यकृत
Kidney – (किडनी) – गुर्दा
Bone – (बोन) – हड्डी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "क्या वे ... करेंगे?" (Will they ...?)
क्या वे कल पढ़ेंगे? – Will they study tomorrow?
क्या वे तुम्हारी मदद करेंगे? – Will they help you?
क्या वे समय पर आएँगे? – Will they come on time?
क्या वे अपना काम पूरा करेंगे? – Will they finish their work?
क्या वे अंग्रेज़ी सीखेंगे? – Will they learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा0 प्रा0 वि0 शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 31 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: मुंशी प्रेमचंद जन्म जयंती
व्याख्या: 31 जुलाई को "मुंशी प्रेमचंद जन्म जयंती" मनाई जाती है — हिंदी और उर्दू साहित्य के महानतम उपन्यासकार जिन्हें "उपन्यास सम्राट" कहा जाता है। (Vajiram & Ravi) मुंशी प्रेमचंद का असली नाम "धनपत राय श्रीवास्तव" था। उन्होंने पहले "नवाब राय" उपनाम से लिखा फिर "प्रेमचंद" नाम अपनाया। (Vajiram & Ravi) उनका जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी के निकट लमही ग्राम में हुआ था। उन्होंने किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और हाशिये के समुदायों के जीवन के यथार्थवादी चित्रण के माध्यम से सामाजिक असमानताओं, ग्रामीण गरीबी, महिला अधिकारों, जाति भेदभाव और आम लोगों के संघर्षों को उजागर किया। (Vajiram & Ravi) "गोदान", "गबन", "ईदगाह" उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।
संदर्भ: vajiramandravi.com Premchand Birth Anniversary 2026;

प्र.2. RBI ने जुलाई 2026 में किस मूल्यवर्ग के पॉलिमर नोटों का परीक्षण प्रारंभ करने की अनुमति प्राप्त की? (समसामयिक घटना)
उत्तर: ₹10 और ₹20
व्याख्या: वित्त मंत्रालय ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के ₹10 और ₹20 मूल्यवर्ग के पॉलिमर बैंकनोट के क्षेत्र परीक्षण के प्रस्ताव को अनुमोदित किया — प्रत्येक मूल्यवर्ग के एक अरब नोट जारी किए जाएंगे। (ESPN) वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने संसद को सूचित किया कि यह प्रस्ताव RBI अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत RBI के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिशों के बाद अनुमोदित किया गया। (ESPN) सरकार ने स्पष्ट किया कि कागजी मुद्रा समाप्त नहीं हो रही — पॉलिमर नोट, परीक्षण सफल होने पर, मौजूदा नोटों के साथ चलन में आएंगे। (ESPN) पॉलिमर नोट कागज के नोटों से अधिक टिकाऊ, जलरोधी और जालसाजी-रोधी होते हैं।
संदर्भ: freejobalert.com Daily Current Affairs 29 July 2026;

प्र.3. "गोदान" उपन्यास में केंद्रीय पात्र "होरी" किसका प्रतीक है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: भारतीय किसान की पीड़ा और शोषण का
व्याख्या: "गोदान" (1936) मुंशी प्रेमचंद की अंतिम और महानतम उपन्यास-कृति है। इसके केंद्रीय पात्र "होरी महतो" के माध्यम से प्रेमचंद ने भारतीय किसान के ऋण-जाल, जमींदार और महाजन के शोषण, सामंती व्यवस्था की क्रूरता और मृत्यु तक संघर्ष का मार्मिक चित्रण किया है। "गाय का दान" (गोदान) करने की होरी की अंतिम अधूरी इच्छा हिंदू लोक-संस्कृति में मोक्ष-प्रतीक है। उपन्यास का अंत अत्यंत करुण है — होरी की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी धनिया खेतों में मजदूरी के पैसों से प्रतीकात्मक "गोदान" करती है। यह उपन्यास ग्रामीण भारत की आर्थिक और सामाजिक त्रासदी का कालजयी दस्तावेज़ है।
संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — "गोदान", 1936; NCERT Hindi Class 12 — Premchand Reference; UPSC GS-I Indian Literature.

प्र.4. "सारनाथ" (वाराणसी के निकट) को UNESCO ने जुलाई 2026 में विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया — NCERT के अनुसार यहाँ भगवान बुद्ध ने किस घटना को अंजाम दिया था? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: प्रथम उपदेश (धर्मचक्र प्रवर्तन)
व्याख्या: सारनाथ को UNESCO विश्व धरोहर का दर्जा जुलाई 2026 में मिला (ESPN) — यह बौद्ध, जैन और हिंदू तीनों धर्मों की दृष्टि से पवित्र स्थल है। NCERT के अनुसार, बोधगया में ज्ञान प्राप्त करने के पश्चात् भगवान बुद्ध ने वाराणसी के निकट "सारनाथ" (ऋषिपत्तन/मृगदाव) में अपना पहला उपदेश अपने पाँच शिष्यों को दिया — इसे "धम्मचक्क पवत्तन" (धर्मचक्र प्रवर्तन) कहते हैं। यहाँ "धमेख स्तूप" और "अशोक का सिंह स्तंभ" (जो भारत का राजचिह्न है) स्थित हैं। यहाँ से प्राप्त सारनाथ शैली की बुद्ध मूर्तियाँ गुप्तकालीन शिल्पकला का उत्कर्ष हैं।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 7 New Questions and Ideas, p. 83–87;

प्र.5. "संगम साहित्य" (Sangam Literature) किस भाषा में रचा गया और यह किस काल की रचना मानी जाती है? (इतिहास)
उत्तर: तमिल भाषा; 300 ईपू–300 ईसवी
व्याख्या: "संगम साहित्य" प्राचीन तमिल कविताओं और काव्यशास्त्र का विशाल संग्रह है जो लगभग 300 ईपू से 300 ईसवी के मध्य रचा गया माना जाता है। "संगम" का अर्थ "कवियों की सभा/गोष्ठी" है जो मदुरई (पाण्ड्य शासकों की राजधानी) में आयोजित होती थी। इसमें "तोल्काप्पियम्" (तमिल व्याकरण), "पुरनानूरु", "अकनानूरु", "कुरुंतोकै" और पाँच महाकाव्य ("पंच महाकाव्य") प्रमुख हैं। संगम साहित्य उस काल के सामाजिक जीवन, व्यापार, युद्ध और प्रेम का अनूठा चित्रण करता है। "तिरुक्कुरल" (तिरुवल्लुवर रचित) संगम काल की नैतिक कविताओं का महानतम संग्रह माना जाता है।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 9 Vital Villages Thriving Towns, p. 110

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत के पूर्वी घाट" (Eastern Ghats) और "पश्चिमी घाट" (Western Ghats) में कौन सा प्रमुख भौगोलिक अंतर है? (भूगोल)
उत्तर: पश्चिमी घाट — सतत, ऊँचे, घनी वर्षा; पूर्वी घाट — असंतत, नीचे, कम वर्षा
व्याख्या: पश्चिमी घाट (Sahyadri): (1) सतत (Continuous) पर्वत श्रृंखला — गुजरात से तमिलनाडु तक; (2) ऊँचाई अधिक (औसत 1000-1500 मीटर); (3) दक्षिण-पश्चिम मानसून का अवरोध — पश्चिमी ढाल पर अत्यधिक वर्षा; (4) UNESCO विश्व धरोहर और जैव विविधता हॉटस्पॉट। पूर्वी घाट (Discontinuous Hills): (1) असंतत (Discontinuous) — विभिन्न नामों से — नल्लामलाई, जावेदी, शेवाराय, पाकाल; (2) ऊँचाई कम (औसत 600 मीटर); (3) नदियाँ इन्हें काटकर बंगाल की खाड़ी में मिलती हैं; (4) कम वर्षा। दोनों "नीलगिरि पहाड़ियों" में मिलते हैं जहाँ "डोडाबेट्टा" (2637 मीटर) दक्षिण भारत का सर्वोच्च शिखर है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 16–18.

प्र.7. भारत के संविधान में "ग्राम पंचायत" को किस अनुसूची और अनुच्छेद के अंतर्गत संवैधानिक दर्जा दिया गया? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: 11वीं अनुसूची; अनुच्छेद 243G
व्याख्या: 73वें संविधान संशोधन अधिनियम (1992) द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया। "11वीं अनुसूची" में पंचायतों के 29 विषय सूचीबद्ध हैं जिनमें कृषि, भूमि सुधार, लघु उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला-बाल विकास आदि सम्मिलित हैं। "अनुच्छेद 243G" पंचायतों को शक्ति एवं प्राधिकार प्रदान करने का प्रावधान करता है। "अनुच्छेद 243B" ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर त्रिस्तरीय पंचायती राज की व्यवस्था करता है। "अनुच्छेद 243D" में SC/ST और महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान है। बिहार में "जिला परिषद", "पंचायत समिति" और "ग्राम पंचायत" — तीन स्तर हैं।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 4 Working of Institutions; Constitution of India — 73rd Amendment, Article 243G; 11th Schedule.

प्र.8. "पॉलिमर नोट" (Polymer Banknote) कागजी नोट से अधिक टिकाऊ क्यों होता है — इसमें किस पदार्थ का उपयोग होता है? (विज्ञान)
उत्तर: बाइएक्सियली ओरिएंटेड पॉलीप्रोपाइलीन (BOPP); जलरोधी और न फटने वाला
व्याख्या: पॉलिमर बैंकनोट "बाइएक्सियली ओरिएंटेड पॉलीप्रोपाइलीन" (BOPP — Biaxially Oriented Polypropylene) नामक प्लास्टिक पॉलिमर से बनता है। इसके गुण: (1) जलरोधी (Waterproof): पानी में भीगने पर खराब नहीं होता; (2) अधिक टिकाऊ: कागजी नोट की तुलना में 2.5 गुना अधिक चलता है; (3) जालसाजी-रोधी: इसमें पारदर्शी खिड़कियाँ और उन्नत सुरक्षा छपाई होती है; (4) पर्यावरण-अनुकूल: पुनर्चक्रण योग्य। ऑस्ट्रेलिया (1988) विश्व का पहला पॉलिमर बैंकनोट जारी करने वाला देश था। अब 50 से अधिक देश पॉलिमर नोट उपयोग करते हैं। RBI का यह परीक्षण NCERT विज्ञान के "पॉलिमर" अध्याय से सीधे जुड़ता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 3 Synthetic Fibres and Plastics, p. 34–38;

प्र.9. "तंजावुर चित्रकला" (Tanjore Painting) किस राज्य की शास्त्रीय चित्र शैली है और इसमें किसका उपयोग विशेषता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: तमिलनाडु; सोने की पत्ती, रत्न, माणिक जड़ाई
व्याख्या: "तंजावुर चित्रकला" (Tanjore Painting) तमिलनाडु के तंजावुर (Thanjavur) क्षेत्र की एक शास्त्रीय दक्षिण भारतीय चित्र शैली है जो 16वीं शताब्दी में नायक राजाओं के संरक्षण में विकसित हुई। इसकी प्रमुख विशेषताएँ: (1) "सोने की पत्ती" (Gold Foil) से पात्रों के आभूषण और पृष्ठभूमि सजाई जाती है — इसे "गोल्ड लीफ वर्क" कहते हैं; (2) माणिक, मोती, काँच और अर्ध-मूल्यवान रत्नों की जड़ाई; (3) चटक रंग और भव्य आकृतियाँ; (4) मुख्यतः हिंदू देवी-देवताओं का चित्रण। इसे GI Tag (2013) प्राप्त है। तंजावुर "बृहदीश्वर मंदिर" (UNESCO विश्व धरोहर) के लिए भी प्रसिद्ध है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art;

प्र.10. बिहार के "दानापुर" (पटना) का ऐतिहासिक महत्व क्या है और यह 1857 के विद्रोह से कैसे जुड़ा है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: ब्रिटिश-कालीन सैन्य छावनी; दानापुर के सिपाहियों ने विद्रोह में भाग लिया
व्याख्या: दानापुर (Danapur) पटना जिले में गंगा के किनारे स्थित है। यह ब्रिटिश काल में एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी (Cantonment) था। 1857 के विद्रोह में "दानापुर के भारतीय सिपाहियों" ने विद्रोह किया और आरा (भोजपुर) पहुँचकर "बाबू वीर कुंवर सिंह" की सेना में शामिल हो गए। वीर कुंवर सिंह (1777-1858) 1857 के विद्रोह के बिहार के सबसे प्रमुख नेता थे जिन्होंने 80 वर्ष की आयु में भी ब्रिटिश सेना से लोहा लिया। आज दानापुर में "बिहार रेजिमेंट सेंटर" स्थित है। प्रेमचंद जयंती के दिन यह प्रश्न उनकी रचनाओं में चित्रित स्वतंत्रता चेतना की भी याद दिलाता है।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 5 When People Rebel, p. 63–65;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अगस्त माह के "भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल W1" के अनुसार – भूकंप आने पर यदि बच्चा खुले मैदान में हो, तो उसे क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: बैठ जाएँ, सिर ढकें, भवनों-खंभों से दूर रहें

व्याख्या: BSDMA के भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल (अगस्त W1) के अनुसार, यदि भूकंप के समय बच्चा विद्यालय के खुले मैदान में हो तो: (1) तुरंत बैठ जाएँ – खड़े रहने पर गिरने का खतरा; (2) हाथों से सिर और गर्दन ढकें – उड़ते मलबे से सुरक्षा; (3) भवनों, दीवारों, विद्युत खंभों और पेड़ों से दूर भागें – इनसे मलबा गिर सकता है; (4) खुले मैदान के मध्य में रहें – खिड़कियों और छत से दूर; (5) झटका रुकने तक स्थिर रहें – भागना नहीं। खुले मैदान में होना वास्तव में भूकंप के समय सबसे सुरक्षित स्थिति है – इसे "भाग्यशाली स्थिति" माना जाता है। इसे बच्चों को "थीम: खुले में हो तो बैठ जाओ" के रूप में याद कराएँ।

संदर्भ: BSDMA Earthquake Safety Module August W1 – Vidyalaya Suraksha Karyakram;

प्र.12. पाँच क्रमागत विषम संख्याओं का औसत 51 है। उनमें से सबसे बड़ी संख्या कौन सी है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 55

व्याख्या: माना पाँच क्रमागत विषम संख्याएँ = (n-4), (n-2), n, (n+2), (n+4)। औसत = मध्य संख्या = n = 51। अतः पाँचों संख्याएँ: 47, 49, 51, 53, 55। सबसे बड़ी संख्या = 55। सत्यापन: (47+49+51+53+55) = 255; 255÷5 = 51 ✓। महत्वपूर्ण नियम: क्रमागत विषम (या सम) संख्याओं का औसत सदैव मध्य वाली संख्या होती है – यह गणना को अत्यंत सरल बना देता है। ऐसे प्रश्न BPSC, SSC CGL, Railway Group D, Bank PO में Quantitative Aptitude खंड में प्रायः पूछे जाते हैं।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 3 Data Handling – Average, p. 58–60;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

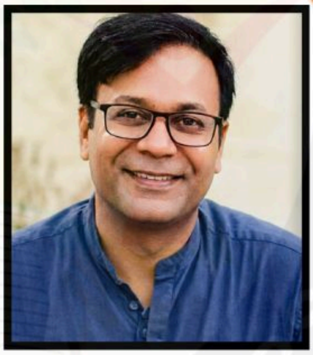

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Xenial (ज़ीनियल) = Hospitable (हॉस्पिटेबल) = अतिथि-सत्कार करने वाला / मेहमाननवाज़

Antonym – Hostile (हॉस्टाइल) = शत्रुतापूर्ण / अमित्रवत

Yearning (यर्निंग) = Longing (लॉन्गिंग) = तीव्र इच्छा / लालसा

Antonym – Indifference (इन्डिफरेंस) = उदासीनता

Zephyr (ज़ेफ़र) = Breeze (ब्रीज़) = मंद समीर / हल्की हवा

Antonym – Gale (गेल) = तेज़ आँधी

Acrimony (ऐक्रिमनी) = Bitterness (बिटरनेस) = कटुता / कड़वाहट

Antonym – Amity (ऐमिटी) = मित्रता / सौहार्द

Blatant (ब्लेटन्ट) = Obvious (ऑब्वियस) = प्रत्यक्ष / स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाला

Antonym – Subtle (सबटल) = सूक्ष्म / अप्रत्यक्ष

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Union Cabinet Approves 'National Green Hydrogen Grid Integration Policy' to Enhance Renewable Infrastructure and Export Hubs.

हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवीकरणीय बुनियादी ढांचे और निर्यात हब को मजबूत करने के लिए 'राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन ग्रिड एकीकरण नीति' को मंजूरी दी।
राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को नई गति प्रदान करते हुए केंद्र सरकार ने हरित हाइड्रोजन उत्पादन इकाइयों को राष्ट्रीय बिजली ग्रिड से निर्बाध रूप से जोड़ने के लिए नए दिशानिर्देशों को मंजूरी दी है। इस नीति का उद्देश्य तटीय राज्यों में विशेष निर्यात क्षेत्र विकसित करना, औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना और 2030 तक भारत को हरित ईंधन का वैश्विक आपूर्तिकर्ता बनाना है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Urban Transportation Index 2026', Highlighting Metro Expansion and EV Adoption.

हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत शहरी परिवहन सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें मेट्रो विस्तार और ईवी (EV) अपनाने की प्रगति को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में मेट्रो कनेक्टिविटी के विस्तार, अंतिम-मील ई-रिक्शा एकीकरण और सार्वजनिक बसों के विद्युतीकरण के मामले में महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली-एनसीआर ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह सूचकांक भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण कम करने और हरित परिवहन को गति देने के प्रयासों का मूल्यांकन करता है।

English Headline: ISRO and CSIR Successfully Complete Flight Qualification Testing of Indigenous Carbon-Composite Payload Fairings for Small Satellite Launch Vehicle (SSLV).

हिन्दी अनुवाद: इसरो और सीएसआईआर ने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (SSLV) के लिए स्वदेशी कार्बन-कंपोजिट पेलोड फेयरिंग का उड़ान योग्यता परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और सीएसआईआर-नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेटरीज (CSIR-NAL) ने व्यावसायिक उपग्रह प्रक्षेपणों की लागत घटाने में एक प्रमुख सफलता हासिल की है। यह हल्का और अत्यधिक मजबूत कार्बन-कंपोजिट ढांचा उपग्रहों की पेलोड ले जाने की क्षमता को बढ़ाएगा और प्रक्षेपण लागत में उल्लेखनीय कमी लाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: United Nations General Assembly Passes Consensus Resolution Establishing Global Governance Standards for Commercial Space Tourism.

हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने व्यावसायिक अंतरिक्ष पर्यटन के लिए वैश्विक शासन मानक स्थापित करने वाला एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने उप-कक्षा (Sub-orbital) और कक्षा में वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ानों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय नियामक ढांचे को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष उड़ानों में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Announce Joint $2.4 Billion Climate Finance Facility for South Asian Coastal Infrastructure.

हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई तटीय बुनियादी ढांचे के लिए संयुक्त $2.4 बिलियन की जलवायु वित्त सुविधा की घोषणा की।
समुद्र के बढ़ते जलस्तर और चक्रवाती तूफानों के खतरे का सामना कर रहे दक्षिण एशियाई देशों (विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका) के तटीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए यह पैकेज मंजूर किया गया है। इस राशि का उपयोग चक्रवात रोधी आश्रयों, बाढ़ सुरक्षा तटबंधों और मैंग्रोव संरक्षण के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Unveils 'Global Surveillance Platform 2.0' to Monitor Vector-Borne Pathogens in Real Time.

हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वास्तविक समय में कीट-जनित रोगजनकों की निगरानी के लिए 'ग्लोबल सर्विलांस प्लेटफॉर्म 2.0' का अनावरण किया।
जलवायु परिवर्तन के कारण डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के नए क्षेत्रों में प्रसार को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ (WHO) ने जिनेवा में एक उन्नत डिजिटल निगरानी प्रणाली शुरू की है। यह प्रणाली विभिन्न देशों के स्वास्थ्य डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण कर संभावित महामारी के हॉटस्पॉट्स की पूर्व चेतावनी जारी करेगी।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Export Promotion Scheme 2.0' to Boost Global Trade of GI-Tagged Produce.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने जीआई-टैग प्राप्त कृषि उत्पादों के वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-निर्यात प्रोत्साहन योजना 2.0' को मंजूरी दी।
राज्य के किसानों की आय बढ़ाने और स्थानीय कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए बिहार सरकार ने एक नया प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके तहत शाही लीची, कतरनी चावल, मखाना और जर्दालू आम की पैकेजिंग, गुणवत्ता जांच और सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हवाई व समुद्री मार्ग से निर्यात पर विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Launches Drone-Based Geospatial Mapping for Kosi Wetland Conservation.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी आर्द्रभूमि संरक्षण के लिए ड्रोन-आधारित भू-स्थानिक (Geospatial) मैपिंग की शुरुआत की।
उत्तर-पूर्वी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने एक नया डिजिटल अभियान शुरू किया है। इस परियोजना के अंतर्गत अति-संवेदनशील आर्द्रभूमियों की मैपिंग की जाएगी, जिससे अतिक्रमण रोकने, जलीय जैव विविधता के संरक्षण और भूजल पुनर्भरण (Groundwater Recharge) की ठोस योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Clinches Multiple Medals in Compound Events at the Asian Grand Prix Stage 4 in Tashkent.
हिन्दी अनुवाद: ताशकंद में आयोजित एशियन ग्रैंड प्रिक्स स्टेज 4 में भारतीय तीरंदाजी दल ने कंपाउंड स्पर्धाओं में कई पदक अपने नाम किए।
ताशकंद में खेले गए मुकाबलों में भारतीय तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत तथा टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर कायम है।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Integrates AI-Powered Ultra-Motion Edge Analytics for Fair Play.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने निष्पक्ष खेल के लिए एआई-संचालित अल्ट्रा-मोशन एज एनालिटिक्स को औपचारिक रूप से एकीकृत किया।
अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग के फैसलों को पूरी तरह से सटीक और त्वरित बनाने के लिए आईसीसी ने अपनी खेल नियमावली में नई तकनीक शामिल की है। आगामी सभी आईसीसी टूर्नामेंटों में गेंद और बल्ले के बारीक संपर्क की त्वरित जांच के लिए उन्नत एआई-कैमरों का उपयोग किया जाएगा, जिससे मानवीय भूलों की गुंजाइश समाप्त हो जाएगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

प्रेमचन्द की सादगी

(31 जुलाईः मुंशी प्रेमचंद जयंती विशेष)

मुंशी प्रेमचंद अत्यंत सरल, सादगीपूर्ण और विश्वास करने वाले व्यक्ति थे। वे मानते थे कि ईमानदारी किसी भी लेन-देन की सबसे बड़ी पूँजी है। एक दिन उनकी पत्नी ने कहा, "आज बाजार से कुछ फल लेते आइए। लेकिन ध्यान रहे, अच्छी तरह देखकर ताज़े और अच्छे फल ही खरीदिए।" प्रेमचंद जी मुस्कुराते हुए बाजार पहुँचे। फल वाले से बोले, "भाई, मुझे अच्छे फल देना। चुन-चुनकर रखना।"

दुकानदार ने अपनी ओर से फल चुनकर टोकरी में रख दिए। प्रेमचंद जी ने बिना किसी फल को उलट-पलटकर देखे पैसे दिए और घर लौट आए। घर पहुँचने पर उनकी पत्नी ने टोकरी खोली। कुछ फल अच्छे थे, लेकिन कुछ खराब भी निकले। उन्होंने आश्चर्य से पूछा, "मैंने तो आपसे कहा था कि फल देखकर खरीदिए। आपने एक भी फल नहीं देखा?"

प्रेमचंद जी शांत स्वर में बोले, "मैंने दुकानदार पर विश्वास किया। यदि उसने खराब फल दिए हैं, तो उसका नुकसान पैसों का नहीं, बल्कि उसके विश्वास का हुआ है। जिसने ईमानदारी खो दी, उसने सबसे बड़ी दौलत खो दी।"

उनकी बात सुनकर पत्नी कुछ क्षण मौन रहीं। उन्हें समझ आ गया कि सच्ची संपत्ति धन नहीं, बल्कि चरित्र और विश्वास है। मुंशी प्रेमचंद का यही स्वभाव उन्हें महान बनाता था। वे केवल अपनी कहानियों से ही नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी लोगों को सत्य, सादगी और ईमानदारी का संदेश देते थे।

शिक्षा: धन का नुकसान पूरा हो सकता है, लेकिन विश्वास खो जाने पर उसे वापस पाना सबसे कठिन होता है।

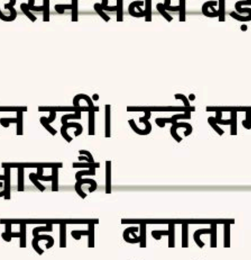

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉज़िटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का

■ गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

• यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप

• शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> "सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : लखीसराय, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

लखीसराय: टाल की आर्थिकी, किउल का बालू और भावी संभावनाएँ

लखीसराय की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके सुदूर टाल क्षेत्रों, किउल नदी के कछारों और प्राचीन लोक-उत्सवों में धड़कता है। बड़हिया का त्रिपुरसुंदरी महारानी मंदिर और सूर्यगढ़ा का शृंगी ऋषि धाम (जहाँ माना जाता है कि राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराया था) इस जिले की गहरी पौराणिक आस्था के केंद्र हैं। इसके साथ ही, लखीसराय का पारंपरिक सिंदूर उद्योग (Vermilion Craft) और मिट्टी के बर्तनों का हस्तशिल्प यहाँ के स्थानीय कारीगरों की पीढ़ियों पुरानी कलात्मक क्षमता का जीवंत साक्ष्य प्रस्तुत करता है, जो सामाजिक ताने-बाने को एक सूत्र में बांधे रखता है।

आर्थिक मोर्चे पर लखीसराय की पहचान 'टाल की दलहनी आर्थिकी' पर टिकी हुई है। बड़हिया और पिपरिया प्रखंडों के विस्तृत टाल क्षेत्र में पैदा होने वाला चना, मसूर और राहर गुणवत्ता में बेजोड़ है। यहाँ की अनाज मंडियाँ पूरे बिहार में दलहन व्यापार का मुख्य केंद्र हैं, जहाँ से प्रसंस्करण के बाद दालें देश भर के बाज़ारों में भेजी जाती हैं। इसके साथ ही, किउल नदी के पाटों से निकलने वाला पीला बालू (Fine Sand) राज्य के निर्माण उद्योग की रीढ़ है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को निरंतर वित्तीय तरलता (Cash Flow) प्रदान करता है।

दुग्ध और कुटीर उद्योगों की बात करें तो टाल क्षेत्र में विस्तृत चरागाहों के कारण दुग्ध उत्पादन और पशुपालन यहाँ के ग्रामीण परिवारों का मुख्य वित्तीय संबल है। सुधा डेयरी के संकलन केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन हज़ारों लीटर दूध पटना और मुंगेर की प्रोसेसिंग इकाइयों तक भेजा जाता है। इसके अतिरिक्त, सूर्यगढ़ा और रामगढ़ चौक प्रखंडों में उभर रहे आधुनिक राइस मिल और एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स स्थानीय कृषि व्यापार को एक नया आयाम दे रहे हैं।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो लखीसराय में 'एग्रो-लॉजिस्टिक्स' और 'हेरिटेज टूरिज्म' की अपार संभावनाएँ हैं। किउल रेलवे जंक्शन के आधुनिकीकरण और एनएच-80 के सुदृढ़ीकरण से यह क्षेत्र उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच लॉजिस्टिक्स का बड़ा हब बनने की दिशा में अग्रसर है। अशोकधाम, लाली पहाड़ी के बौद्ध महाविहार और शृंगी ऋषि धाम को एकीकृत कर यदि एक समर्पित 'स्पिरिचुअल व आर्कियोलॉजिकल टूरिज्म सर्किट' के रूप में विकसित किया जाए, तो यह स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार और आजीविका के हज़ारों नए अवसर पैदा कर सकता है।

लखीसराय का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने प्राचीन 'कृमिळा' साम्राज्य की विरासत को सहेजे हुए आधुनिक कृषि और निर्माण आर्थिकी में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अशोकधाम के शंखनाद से लेकर बड़हिया टाल के लहलहाते खेतों तक, किउल की धारा से लेकर लाली पहाड़ी के बौद्ध अवशेषों तक—लखीसराय स्वावलंबन और सांस्कृतिक गौरव का एक प्रामाणिक मॉडल प्रस्तुत करता है।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"
शैलेन्द्र कुमार एवं अभिषेक कुमार

दैनिक जागरण

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानि[त]

[सं]वाद सू[त्र], जागरण • बगहा : विभाग [के] द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के [बा]द विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न [सि]र्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की [उप]स्थिति भी बढ़ी है। सच्ची [क]र्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की [ब]दौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों [का] माहौल बदलने में सफल हो रहे। [इ]सी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर [बे]हतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को [स]म्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे [उन]से प्रेरणा ले और बेहतर करने के [लि]ए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के [क्षे]त्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित [से]वा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो [शि]क्षकों क्रमशः शैलेन्द्र कुमार और [अ]भिषेक कुमार को रमना स्थित [ऑ]डिटोरियम हाल में आयोजित भव्य [स]म्मान समारोह में ज़िला पदाधिकारी [त]रनजोत सिंह ने सम्मानित किया। [य]ह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट [क]र्मियों के उत्साहवर्धन के लिए [आ]योजित किया गया था। [जि]लाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों [को प्र]शस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। [जि]ले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष [यो]गदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक • सौ. स्वयं

चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार। राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक • सौ. स्वयं

सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी लहर दौड़ गई है। स्थानीय शिक्ष[क], ग्रामीणों और शिक्षा विभाग [के] अधिकारियों ने दोनों सम्मा[नित] शिक्षकों को बधाई दी।

हिन्दुस्तान

बेहतर काम के लिए डीएम ने दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदुर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

दैनिक भास्कर — बेतिया भास्कर 27-07-202[.]

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बगहा

शैलेन्द्र कुमार

अभिषेक कुमार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के लिए यह सम्मान मिला। डीएम एवं विभाग ने इनके कार्यों को अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभाग में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों का सम्मानित होना बगहा-2 के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। इससे यह संदेश भी गया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद सरकारी विद्यालयों में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों की पहचान और सराहना हो रही है।

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री .... शैलेन्द्र कुमार ....

पदनाम .... प्रधानाध्यापक .... विभाग/शाखा .... रा० प्रा० वि० बोदसर बगहा-2 ....

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री .... अभिषेक कुमार ....

पदनाम .... प्रधानाध्यापक .... विभाग/शाखा .... रा० प्रा० वि० करमाहा थारूटोला बगहा-2 ....

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

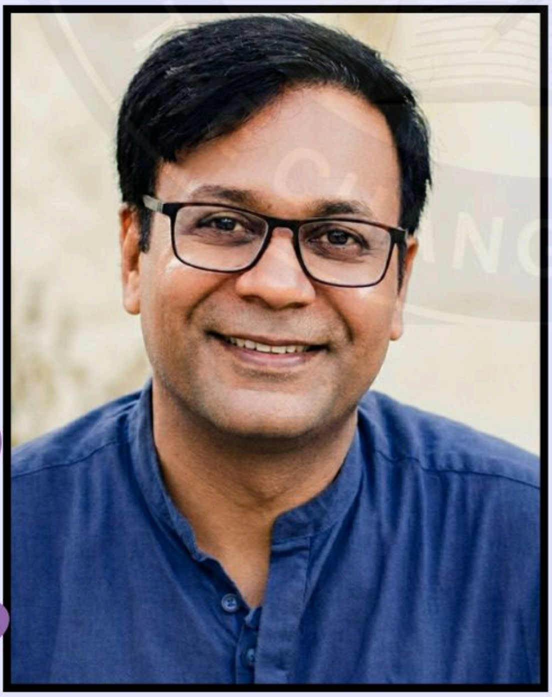

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org